नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.................................   दिनांक : 28.09.2021

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में प्रार्थना सभा के अन्तर्गत 28 सितम्बर, 2021 को **शहीद–ए–आजम सरदार भगत सिंह की 114वीं जयंती** के अवसर पर इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र प्रजापति ने उद्‌बोधन देते हुए कहा कि भगत सिंह को भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक माना जाता है। वे अपने अल्प जीवनकाल में ही कई क्रान्तिकारी संगठनों के साथ जुड़े और उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया। तरूणावस्था में ही भगत सिंह, महात्मा गांधी के असहयोग आन्दोलन से जुड़ गए और बहुत ही बहादुरी से उन्होंने ब्रिटिश सेना का प्रतिकार किया। जलियाँवाला नरसंहार ने सरदार भगत सिंह के बाल मन पर गहरा प्रभाव डाला। उनका मन इस अमानवीय कृत्य से विचलित हो उठा, जो देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका के निर्धारण में निर्णायक सिद्ध हुआ। भगत सिंह ने चंद्रशेखर आजाद के साथ मिलकर क्रांतिकारी संगठन तैयार किया। देश को आजाद कराने में भगत सिंह ने ना सिर्फ अपने प्राणों का बलिदान दिया बल्कि देश के लाखों युवाओं में आजादी का वह जज्बा पैदा किया जो आज भी नौजवानों की रगो में दौड़ता है। ऐसे माँ भारती के महान वीर क्रांतिकारी सपूत को पूरा महाविद्यालय परिवार हार्द्धिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ASingh

डॉ. अभिषेक सिंह
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी